बार राष्ट्रीय छात्र सेना दल के केडेटों की कुल संख्या कितनी है ;

(ख) मार्च, 1971 के अन्त तक इस दल (कोर) की संख्या को कितना बढ़ाने का लक्ष्य है ;

(ग) कितनी सैनिक संस्थाओं में इस समय राष्ट्रीय छात्र सेना दल की जूनियर तथा सीनियर डिवीजन विद्यमान हैं ; और

(घ) मार्च, 1971 के अन्त तक लगभग और कितनी शैक्षिक संस्थाओं में राष्ट्रीय छात्र सेना दल को लागू कर दिया जायेगा ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री नरेन्द्रसिंह महीडा) : (क) 31 मार्च 1970 को एन० सी० सी० की जनशक्ति इस प्रकार थी :-

वरिष्ठ डिवीजन	740337
कनिष्ठ डिवीजन	659888

(ख) 1970-71 वर्ष के लिए आयोजन उद्देश्यों के लिए वरिष्ठ डिवीजन में छात्रों की संख्या 7·85 लाख नियत की गई है, और कनिष्ठ डिवीजन में 7·25 लाख ।

(ग) कनिष्ठ और वरिष्ठ डिवीजन देश में क्रमश: 6115 स्कूलों और 2986 कालिजों में विद्यमान हैं ।

(घ) इस संख्या का पूर्वानुमान दे पाना सम्भव नहीं है, क्योंकि यह उस सीमा पर निर्भर है कि जिस तक विश्वविद्यालय और राज्य सरकारें जैसे भी हालात हो, नए संस्थानों में एन० सी० सी० प्रशिक्षण का विस्तार आयोजित करने को सहमत होंगी ।

भारत-पाकिस्तान युद्ध में विकलांग हुए सैनिकों को रोजगार

3247. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री वंश नारायण सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में विकलांग हुए कितने कमीशन-प्राप्त तथा कमीशन-रहित अधिकारियों और सैनिकों को अब तक रोजगार दे दिया गया है ;

(ख) सरकार का मार्च, 1971 के अन्त तक पैरा-सैनिक, असैनिक तथा गैर-सरकारी संस्थानों में कितने कमीशन-प्राप्त तथा कमीशन-रहित अधिकारियों तथा सैनिकों को रोजगार दिलाने का विचार है ; और

(ग) कितने ऐसे विकलांग अधिकारियों और सैनिकों को अभी रोजगार देना शेष है तथा इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरेन्द्रसिंह महीडा) : (क) 1965 के भारत-पाक युद्ध के दौरान नियोग्य हो गए व्यक्तियों में से 9 कमीशन-प्राप्त अफसरों, 478 एन०सी० ओज०/ओ० आर्ज० को असैनिक कामों/कुशकों में पुनरावासित किया गया है ।

(ख) तथा (ग). कोई भी नियोग्य कमीशन-प्राप्त अफसर इस समय पुनरावास की प्रतीक्षा में नहीं है । जहां तक एन०सी०ओज०/ओ० आर्ज० का सम्बन्ध है अभी पुनरावासित किए जाने वाले 384 में से लगभग 100 मार्च 1971 तक पुनरावासित किए जाने प्रत्याशित हैं ।

यथासम्भव उन्हें शीघ्र पुनरावासित करने के लिए हर प्रयास किया जा रहा है ।

Setting up of an Atomic Power Station in U.P.

3248. SHRI SHIV KUMAR SHASTRI :
SHRI RAM CHARAN :
SHRI SHIVA CHARAN LAL :
SHRI RAGHUVIR SINGH SHASTRI :
SHRI PRAKASH VIR SHASTRI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the recent statement of U.P.'s Power Minister to the effect that power experts have found Uttar Pradesh 'more suitable' than Punjab for setting up an atomic power station in the Fourth Five Year Plan ; and

(b) if so, the reaction of the Government of India thereto ?

THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY, MINISTER OF HOME AFFAIRS AND MINISTER OF PLANNING (SHRIMATI INDIRA GANDHI) : (a) Yes, Sir.

(b) While the need for establishing a new atomic power station in the northern electricity region has been recognised, the Department of the Atomic Energy is initiating studies for the selection of a suitable site in the region.

S.T.C. Delegation to European Countries

3249. SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI N. K. SOMANI :

Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a delegation of the State Trading Corporation visited some European countries in January February, 1970 and held discussions with the leading manufacturers there for securing orders for Indian firms to supply them engineering intermediaries and components ;

(b) the worth of various order secured for different items and how they have been distributed here in India ; and

(c) whether the shortage of steel in home market shall be a bottleneck for the Indian firms and whether its supply will be assured to them ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI RAM SEWAK) : (a) Yes, Sir.

(b) Contracts for export of different items valued at U. S. $ 1.9 million have already been signed. It is, however, not appropriate in the business interest of the Corporation to say as to how these contracts have been distributed here.

(c) The supply of steel wherever required will be arranged for execution of the contracts.

Dependence on Private Sector and Small Scale Industries for Defence Demands

3250. SHRI S. K TAPURIAH :
SHRI N. K. SOMANI :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that for defence demands as regards arms, cloth and ammunition etc., there is dependence on the private sector and the small scale industries also ;

(b) whether some high level Officers' Committee including some representatives of the private sector, has been formed to coordinate the production and supply factors ; and

(c) if so, whether any report has been submitted by this Committee ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIWAN RAM) : (a) The defence re-